

---

Shri Gurugita Aratrika

श्रीगुरुगीतारात्रिका

Document Information



---

Text title : Shri Gurugita Aratrika

File name : gurugItAratrika.itx

Category : deities\_misc, gurudev, shrIdharasvAmI, AratI

Location : doc\_deities\_misc

Author : Shridharasvami

Proofread by : Manish Gavkar

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnamAlikA

Latest update : February 11, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 12, 2023

*sanskritdocuments.org*



---

Shri Gurugita Aratrika

श्रीगुरुगीतारात्रिका



जय देव जय देव जय श्रीगुरुगीते जय सद्गुरुगीते ।  
ब्रह्मानन्दस्वरूपिणि जय विश्वम्भरिते ॥ ध्रुवपदम् ॥  
जय जगदम्ब भवानि भवहारिणि भद्रे ।  
श्रीगुरुतत्त्वसुबोधिनि जयकरुणसान्द्रे ॥ १ ॥  
भवभयनिरवधिनिपतितदीनाभयतारे ।  
देहाहङ्कृतिव्याधिदिव्यौषधिसारे ॥ २ ॥  
भवविषविषयविनाशिनि परमामृतरूपे ।  
स्वानन्दामृतरूपिणि नामरूपरहिते ॥ ३ ॥  
आत्मज्ञानप्रकाशिनि गुरुसुभक्तिसहिते ।  
जगद्द्वारिणिपावनि सुन्दरसुरपूते ॥ ४ ॥  
भयं द्वितीयाद्यत्वं शिक्षस्यद्वैतम् ।  
तत्त्वमसीत्युपदेशं गायसि त्वं नित्यम् ॥ ५ ॥  
इति श्रीमत परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवान्  
श्रीधरस्वामीमहाराजविरचिता श्रीगुरुगीतारात्रिका सम्पूर्णा ।  
गुरुपूर्णिमा, श्रीक्षेत्रवरदपुरं संवत्सरः - १९७२

Proofread by Manish Gavkar

---

Shri Gurugita Aratrika

pdf was typeset on February 12, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

